पाठ – 24

मुहावरे और लोकोक्ति

ऐसे वाक्यांश जो अपने सामान्य अर्थ से हटकर विशेष अर्थ देते हैं, **मुहावरे** कहलाते हैं।

आओ, अब कुछ मुहावरे, उनके अर्थ और उनका वाक्यों में प्रयोग -

श्रीगणेश करना - शुरू करना – बैसाखी के दिन नए कार्य का श्रीगणेश करना शुभ माना जाता है।

अंग-अंग ढीला होना - बहुत थक जाना – सारे दिन खेत में काम करने के बाद किसान का अंग-अंग ढीला हो जाता है।

अँगूठा दिखाना - साफ़ इनकार कर देना- सोनू ने जब अपनी पुस्तक वापस माँगी तो सोनू ने उसे अँगूठा दिखा दिया।

आँखों में धूल झोंकना - धोखा देना – आजकल ठग नकली वेबसाइट बनाकर नकली चीज़े बेच रहे हैं और लोगों की आँखों में धूल झोंक रहे हैं।

बाएँ हाथ का खेल होना - बहुत आसान काम – हिंदी में अच्छे अंक लाना तो नीतू के बाएँ हाथ का खेल है।

ईद का चाँद होना - बहुत कम दिखना –शिवानी आजकल दिखती ही नहीं, वह तो ईद का चाँद हो गई है।

हवा से बातें करना - बहुत तेज़ दौड़ना-मिल्खा सिंह तो जैसे हवा से बातें करते है।इसीलिए तो उन्होंने दौड़ने में विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

दिनाँक : ___/___/_____

अध्यापिका हस्ताक्षर : ______________

गले का हार होना - बहुत प्यारा –बच्चे माता-पिता के गले का हार होते हैं।

नमक-मिर्च लगाना - बढ़ा-चढ़ाकर कहना - सुनिधि की बात का विश्वास मत करना। कह हर का नमक-मिर्च लगाकर बताती है।

पेट में चूहे कूदना - बहुत भूख लगना - तैरने के बाद समर्थ के पेट में चूहे कूदने लगे।

चिकना घड़ा होना- कुछ असर न होना - सुधा पर कुछ भी कहने का कोई असर नहीं होता। वह चिकना घड़ा है।

काम तमाम करना - मार डालना - बिल्ली ने चूहे को पकड़कर उसका काम तमाम कर दिया।

नाक में दम करना - परेशान करना - बंदरों ने तो सबकी नाक में दम कर रखा है। रोज सबके गमले तोड़ देते हैं।

नौ-दो-ग्यारह होना - भाग जाना - माली को आते देख सभी शैतान बच्चे नौ-दो-ग्यारह हो

अध्यापिका हस्ताक्षर : ____________

दिनांक :

अभ्यास कार्य

प्र.1 नीचे दिए अर्थों के लिए उचित मुहावरे लिखिए:-

तंग करना - नाकों चने चबवाना

हँसना - ठहाका मारकर हँसना

नींद ना आना - नींद उड़ जाना

मना करना - हाथ खड़े करना

बहुत भूख लगना - पेट में चूहे कूदना

सहायता करना - ....

प्र.2 नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखो और अपने वाक्यों में प्रयोग करो:-

अक्ल का दुश्मन - अर्थ - बहुत मूर्ख व्यक्ति
बार - बार समझाने पर भी न समझना,
सच में अक्ल का दुश्मन
होना है।

छक्के छुड़ाना - बहुत परेशान कर देना

रोहन की शरारतों ने पूरी कक्षा
के छक्के छुड़ा दिए।

खरी खोटी सुनाना - डाँट - फटकार लगाना

होमवर्क न करने पर अध्यापिका ने
उसे खरी - खोटी सुनाई।

दिनाँक : ___/___/_____

अध्यापिका हस्ताक्षर : ______________

अपनी खिचड़ी अलग पकाना : दूसरो से अलग होकर अपना ...
समूह-कार्य में भी वह अपनी खिचड़ी
अलग पकाता है।

अंग अंग टूटना : बहुत थक जाना।
पूरे दिन मेहनत करने के बाद मेरा
अंग-अंग टूट रहा था।

प्र.3 उचित मुहावरे लिखकर वाक्य पूरे करो:-

(क) पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।

(ख) रजत कोई काम नहीं करता, बस सारे दिन हाथ पर हाथ धरे रहता है।

(ग) सुमित की मम्मी उसे बहुत प्यार करती हैं। वह उनकी आँखों का तारा है।

(घ) साहिल बहुत शैतान है। उसने सबकी नानी याद दिला दी।

(ड) परीक्षा में प्रथम आने पर स्वाति का दिल बाग-बाग हो गया।

अध्यापिका हस्ताक्षर : ____________

दिनाँक : ___/___/___

लोगों के अ...
लोकोक्तिय...
बनाने के लि...
कुछ लोक...
आम के अ...
पुस्तकें अ...
थोथा चन...
खिलाड़ी...
न रहेगा...
लिए क...
बाँसुरी...
दूध क...
बचाक...
हाथ...
का इ...
आर...
अध्य...

लोकोक्ति

लोगों के अनुभव पर आधारित उक्तियों को लोकोक्ति कहते हैं।

लोकोक्तियाँ पूरे वाक्य के समान होती हैं। लोकोक्तियों का प्रयोग भाषा को सुंदर, सरस व प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है।

कुछ लोकोक्तियों के अर्थ तथा वाक्यों में प्रयोग -

आम के आम गुठलियों के दाम - दोहरा लाभ होना आशीष ने जैसे ही पढ़ाई परी की, अपनी सारी पुरानी पुस्तकें अच्छे दामों में बेच दीं। इसे कहते हैं- आम के आम गुठलियों के दाम।

थोथा चना बाजे घना - कम गुणवान व्यक्ति का अधिक दिखावा करना - बड़ी-बड़ी बातें करने वाला खिलाड़ी जब शून्य पर आउट हुआ तो पत्रकार ने कहा- थोथा चना बाजे घना।

न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी - कारण के बिना काम न होना - यश के पापा उसे कम टी.वी. देखने के लिए कहते रहे लेकिन जब वह नहीं माना तो पापा ने टी.वी. बेचते हुए कहा- न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी।

दूध का दूध, पानी का पानी- पूर्ण न्याय - भारत के सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने निर्दोष को फाँसी से बचाकर दूध का दूध, पानी का पानी कर दिया।

हाथ कंगन को आरसी क्या- सच्चाई को प्रमाण (सबूत) की ज़रूरत नहीं होती पंडित जी पर जब चोरी का इल्ज़ाम लगा तो उन्होंने पुलिस से कहा- मेरे घर की तलाशी ले लो। कुछ नहीं मिलेगा। हाथ कंगन को आरसी क्या।

दिनाँक : ___/___/___

अध्यापिका हस्ताक्षर : ____________

आ बैल मुझे मार - मुसीबत मोल लेना ब्राजील के खिलाड़ी ने अपने ही पोस्ट में गोल करके आ बैल
मार: की कहावत को सच कर दिया।

अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत- समय निकल जाने पर पछताना व्यर्थ है - राम
पहले तो फ़सल में पानी नहीं दिया और जब फ़सल सूख गई तो पछताने लगा। सही कहा है
पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

एक मछली सारे तालाब को गंदा करती है- एक बुरे व्यक्ति के कारण सारा समाज बदनाम हो जाता
दुर्योधन की ज़िद के कारण पूरा कौरव परिवार ही बदनाम हो गया। सच है- एक मछली सारे तालाब
गंदा करती है।

घर की मुरगी दाल बराबर- घर की वस्तु की कद्र नहीं होती- कैलाश सत्यार्थी को भारत में कोई जान
तक नहीं था। जब उन्हें नोबेल पुरस्कार मिला तो कोई उन्हें मानने लगा। सच है- घर की मुरगी दा
बराबर।

अंधों में काना राजा- मूर्खों में थोड़ा समझदार-निरक्षरों के गाँव में आठवीं पास कालू की सभी
तारीफ़ करते हैं। सच है- अंधों में काना राजा।

अध्यापिका हस्ताक्षर : ____________

दिनाँक : ___/___/___

अभ्यास कार्य

प्र.1. **नीचे दी गई लोकोक्तियों को उनके सही अर्थ से जोड़िए -**

आ बैल मुझे मार	अपनी कमियाँ छिपाने के लिए किसी अन्य पर आरोप लगाना
काला अक्षर, भैंस बराबर	खुद मुसीबत मोल लेना
जिसकी लाठी, उसकी भैंस	अनपढ़ होना
लातों के भूत बातों से नहीं मानते	ताकत के आगे सब झुकते हैं
नाच न जाने, आँगन टेढ़ा	कुछ लोग सख्ती से ही मानते हैं, प्यार से नहीं

प्र.2 **उचित लोकोक्ति द्वारा खाली स्थान भरो :-**

(क) रेहान ने मेरी पुस्तक फाड़ दी। जब मैंने उससे यह बात कही तो वह मुझसे लड़ने लगा। यह तो वही बात हुई .... ।

(ख) रामू पाँचवीं पास है और उसका पूरा परिवार अनपढ़ । इसे कहते हैं .... ।

(ग) जब पूर्वी गणित का सवाल हल नहीं कर पाई तो बोली कि सवाल ही गलत लिखा था। किसी ने सच ही कहा है .... ।

(घ) श्रुति की शैतानियों के कारण पूरी कक्षा बदनाम हो गई है। ठीक ही कहते हैं .... ।

(ड.) पूरा मुकदमा सुनकर जज ने अपराधी को सज़ा दी और निर्दोष को छोड़ दिया। जज ने किया .... ।

दिनाँक : ___/___/___

अध्यापिका हस्ताक्षर : ____________